न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर

पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर0ए0एस0)
वाद सं0 : 525 सन 2020
अनवान :–

1. ओमगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1. हेतगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. हुणतगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
3. बिरजगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. सीता पुत्री नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88

उपस्थित : श्री नरेन्द्र किशोर जोशी अधिवक्ता वादी
पेरोकार राज

निर्णय दिनांक :– 01/01/2021

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88 के तहत इस आश्य का पेश किया गया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के देहान्त हो चुका है नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के जायज वारिसान नोरगगर के पुत्र /पुत्रीया वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 है जो नोरगगर पुत्र इन्द्रगर की कृषि भूमि पाने के अधिकारी है अर्थात वाद भूमि जो नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से दर्ज के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 अपने हक हिस्सा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के हकदार है

प्रतिवादी संख्या 4 वादी की बहने है मृतक नोरगगर पुत्र इन्द्रकर की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी ने प्रतिवादी संख्या 1 को कई मर्तवा कहा की वादी के हक हिस्सा की भूमि को उनके नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिनों तक तो आज कल आज कल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिये यह वाद पेश किया गया है।

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की प्रतिवादी संख्या 1 जो वादी का पिता है के नाम से दर्ज भूमि को वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वादी का वाद प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 जरिये अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित आकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए ईकबाल दावा पेश किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने निवेदन किया की उसके नाम से दर्ज भूमि उसके पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से दर्ज है जिनका देहान्त हो चुका है नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के जायज वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 है जो वाद भूमि में बराबर का हक हिस्सा विरास्तन से पाने के अधिकारी है तथा प्रतिवादी संख्या 4 ने निवेदन किया की उन्होने अपने हक हिस्सा की भूमि

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner

को अपने भाई/पिता वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के पक्ष में त्याग किया हुआ है इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के हक हिस्सा की भूमि है जिसे वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है व अपने कथनों के समर्थन में ईकबाला दावा पेश किया गया। शामिल मिसल किया एवं प्रतिवादी संख्या 5 पेरोकार राज ने जबाव पेश किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्य हकों को सुरक्षित रखते हुए निस्तारण किया जाता है तो कोई ऐतराज नही है जबाब शामिल मिसल किया गया।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का ईकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नही रही साक्ष्य में वादी ने अपना शपथ पत्र पेश किया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नही करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पष्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

वकील वादी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने वाद में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है।

उक्त भूमि पूर्व में वादी के पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी वादी के पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के देहान्त हो चुका है नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के जायज वारिसान नोरगगर के पुत्र /पुत्रीया वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 है जो नोरगगर पुत्र इन्द्रगर की कृषि भूमि पाने के अधिकारी है अर्थात वाद भूमि जो नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से दर्ज के वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 अपने हक हिस्सा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के हकदार है

प्रतिवादी संख्या 4 वादी की बहने है मृतक नोरगगर पुत्र इन्द्रकर की पुत्री है प्रतिवादी संख्या 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के पक्ष में किया जा चुका है। इसलिये वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 का बराबर का हक हिस्सा है जिसे अपने बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी के वाद को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 ने स्वीकार किया जाकर ईकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के सम्बध में कोई ऐतराज नही है वादी अपने कथनों के सम्बध में न्यायायिक दृष्टान्त आर.बी.जे. 1998 पेज 615 एवं आरआरडी वर्ष 1998 पेज 646 प्रस्तुत कर निवेदन किया की कोई भी खातेदार काश्तकार आपसी सहमति /राजीनामा के आधार पर अपने हकों को स्थानान्तरण कर सकता है अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

पेरोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबुतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमने उभयपक्षो की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है।

वाद भूमि वादी के पिता नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से दर्ज है नोरगगर पुत्र इन्द्रगर का देहान्त हो चुका है नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के जायज वारिसान उसके पुत्र/पुत्रीया है अर्थात नोरगगर के जायज वारिसान वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 है जो प्रस्तुत मृत्यू प्रमाण पत्र व वारिस प्रमाण पत्र से साबित है अर्थात नोरगगर पुत्र इन्द्रगर के नाम से दर्ज भूमि में वादी एव प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 का विरास्तन से बराबर का हक हिस्सा है जिसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है।

वादी का कथन है कि प्रतिवादी संख्या 4 ने अपने हक हिस्सा की भूमि का त्याग किया हुआ है वादी के कथनों को प्रतिवादी संख्या 4 ने स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जाकर निवेदन किया जा चुका है कि वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 ता 3 के

उपखण्ड अधिकारी
सोहर

Scanned with CamScanner

हक हिस्सा की भूमि है जिसे उनके नाम उनके बाहमी बटवारा के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज की जाती है तो किसी प्रकार का ऐतराज नही है

वादी के वाद को प्रतिवादीगण के द्वारा स्वीकार करने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुत एवं न्यायायिक दृष्टान्तों जो प्रकरण पर चरपा होते है के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण काबिल डिक्री है तथा प्रतिवादी संख्या 4 ने अपने हकों का त्याग किये जाने के कारण राज्यहकों की सुरक्षा के मध्यनजर स्टाम्प डयूटी कायम की जानी न्यायोचित है।

अतः वादी के वादी को प्रतिवादी संख्या 1 ता 4 के द्वारा वादी के वाद को स्वीकार करने एवं पेरोकार राज का किसी प्रकार का ऐजराज नही होने एवं वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो एवं न्यायायिक दृष्टान्तों के आधार पर वाद वादी साबित होने के कारण डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी संख्या 1 के नाम रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 के खसरा न0 165/6 की 0.5060हैक पूर्वी दिशा व खसरा न0 165/4 की 1.0120हैक पूर्वी दिशा एवं खाता संख्या 130/123 के खसरा न0 582/1 की उतरी दिशा की 1.3895हैक भूमि रहेगी , प्रतिवादी संख्या 1 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 133/288 के खसरा न0 219/3 की 4.995हैक भूमि रहेगी , प्रतिवादी संख्या 2 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 130/123 के खसरा न0 582/1 की दक्षिण दिशा की 4.9335हैक भूमि रहेगी प्रतिवादी संख्या 3 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 133/288 के खसरा न0 219 की दक्षिणी दिशा की 0.5060हैक एवं खाता संख्या 132/123 के खसरा न0 165/6 की पश्चिम दिशा की 1.0120हैक एवं खसरा न0 165/4 की पश्चिम दिशा की 3.490हैक भूमि रहेगी इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे। इसी आश्य की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 01/01/2021 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

सत्यमेव जयते

Scanned with CamScanner

पर्चा डिक्री

(आर्डर 20, रूल 6–7 जाब्ता दिवानी)

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर

अनवान :–

1. ओमगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

वादी

बनाम

1 हेतगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
2. हुणतगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
3. बिरजगर पुत्र नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
4. सीता पुत्री नोरगगर जाति गुसाई निवासी देवासर तहसील नोहर।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

राजस्व वाद संख्या 525 सन 2020 निर्णय दिनांक– 01/01/2021

आज यह वाद मुझ श्वेता कोचर उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) नोहर के समक्ष अधिवक्ता वादी एवं पेरोकार राज की उपस्थिति में अंतिम निपटारे/ निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबुतो एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी डिक्री किया जाकर धोषणा की जाती है कि रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 की कुल 6.0200हैक व खाता संख्या 130/123 की कुल 6.3230हैक भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नोगरगर पुत्र इन्द्रगर के नाम सें दर्ज है का नाम कलमजन किया जाकर वादी संख्या 1 के नाम रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 132/132 के खसरा न0 165/6 की 0.5060हैक पूर्वी दिशा व खसरा न0 165/4 की 1.0120हैक पूर्वी दिशा एवं खाता संख्या 130/123 के खसरा न0 582/1 की उतरी दिशा की 1.3895हैक भूमि रहेगी , प्रतिवादी संख्या 1 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 133/288 के खसरा न0 219/3 की 4.995हैक भूमि रहेगी , प्रतिवादी संख्या 2 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 130/123 के खसरा न0 582/1 की दक्षिण दिशा की 4.9335हैक भूमि रहेगी प्रतिवादी संख्या 3 के पास रोही मौजा देवासर के खाता संख्या 133/288 के खसरा न0 219 की दक्षिणी दिशा की 0.5060हैक एवं खाता संख्या 132/123 के खसरा न0 165/6 की पश्चिम दिशा की 1.0120हैक एवं खसरा न0 165/4 की पश्चिम दिशा की 3.490हैक भूमि रहेगी इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करने हेतु ईजराय प्रार्थना पत्र के सलग्न 5000/– रू का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि भूमि बैक के रहन हो तो बाद रहनमुक्त राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय वाद उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे।

पर्चा डिक्री आज दिनांक 01/01/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई ।

उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

Scanned with CamScanner